सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 14 OCTOBER TO 20 OCTOBER 2022 • VOLUME-13 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

कर्तव्य और कर्म जिसके साथ है, बस समझो जीत उसके पास है।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

पीएम मोदी की हिमाचल को वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात

अब करीब 5 घंटे में ऊना से दिल्ली

शिमला. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरूवार को अंब-अंदौरा रेलवे स्टेशन से ऊना से दिल्ली नई वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मोदी ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के डिब्बों का निरीक्षण किया और अंदर दी जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। नई वंदे भारत ट्रेन की अधिकतम गति 180 किलोमीटर प्रतिघंटा है, जो यात्रियों को दिल्ली से हिमाचल के अंब-अंदौरा तक करीब 5 घंटे में पहुंचा देगी। रेलवे द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार वंदे भारत एक्सप्रेस बुधवार को छोड़कर सप्ताह के बाकी 6 दिन चलेगी।

इसका पड़ाव अंबाला, चंडीगढ़, आनंदपुर साहिब और ऊना में अंब अंदौरा होगा। इन स्टेशनों पर ट्रेन 2 मिनट के लिए रुकेगी। दिल्ली से सुबह 5:50 पर खुलने के बाद ट्रेन 10:34 बजे ऊना 11:05 बजे अपने गंतव्य अंब अंदौरा पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन अंब-अंदौरा से दोपहर 13:00 बजे खुलकर, शाम को 18:25 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह देश की चौथी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन है। इससे पहले नई दिल्ली से वाराणसी, नई दिल्ली से कटरा और गांधीनगर कैपिटल से मुंबई सेंट्रल के बीच 3 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें संचालित हो रही हैं। इस मौके पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर के सांसद अनुराग ठाकुर भी उपस्थित रहे।

नई वंदे भारत एक्सप्रेस की खासियत

नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पिछली 2 ट्रेनों के मुकाबले हल्की है और मात्र 52 सेकंड में 100 किमी की रफ्तार पकड़ सकती है। इस ट्रेन के शुरू होने से हिमचाल प्रदेश के ऊना क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, पंजाब और हरियाणा के लोगों को भी इसका फायदा मिलेगा। यह ट्रेन पुरी तरह से वातानुकुलित है, स्वचालित दरवाजे हैं। चेयर को 180 डिग्री तक रोटेट किया जा सकता है। ट्रेन में जीपीएस आधारित इंफॉर्मेशन सिस्टम, सीसीटीवी कैमरे, वैक्यूम टॉयलेट हैं। इसमें पावर बैकअप की भी व्यवस्था है। यह ट्रेन सुरक्षा कवच से लैस है। नई वंदे भारत एक्सप्रेस में 2 कोच ऐसे हैं, जिनसे पूरी ट्रेन पर नजर रखी जा सकेगी। सफर के दौरान यात्री खुद को सुरक्षित महसूस करें, इसका पूरा ध्यान रखा गया है। इसमें पुश बटन स्टॉप की सुविधा भी दी गई है।

एएसआई रिश्वतखोरी केस में गिरफ्तार

जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध जारी मुहिम के दौरान गुरूवार को थाना सिटी मलोट में तैनात एएसआई सुखदेव सिंह को रिश्वतखोरी केस में गिरफ्तार कर लिया है। विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता देस राज निवासी रविदास नगर, श्री मुक्तसर साहिब ने ब्यूरो को भ्रष्टाचार विरोधी हेल्पलाइन पर उक्त सुखदेव सिंह के ख़िलाफ़ शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसकी पड़ताल के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

आरपीजी हमले का मुख्य दोषी मुम्बई से गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़**

पंजाब पुलिस की काउन्टर इंटेलिजेंस ने केंद्रीय एजेंसी और ए.टी.एस. महाराष्ट्र के साथ साझे ऑपरेशन में रॉकेट प्रोपैल्ड ग्रेनेड (आर. पी. जी.) हमले के मुख्य दोषी चड़त सिंह को आज सुबह मुम्बई से गिरफ्तार करने के बाद एक और बड़ी सफलता हासिल की। यह आरपीजी हमला 9 मई, 2022 को मोहाली में इंटेलिजेंस हैडक्वाटर पर लगभग 19.45 बजे किया गया था। पंजाब पुलिस के डायरैक्टर जनरल (डीजीपी) गौरव

यादव ने बताया कि गिरफ्तार किया गया मुलजिम इस हमले का मुख्य संचालक है और कैनेडा स्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी लखबीर सिंह उर्फ लंडा का सहयोगी है।

उन्होंने कहा कि मुलजिम चड़त ने लंडा की मदद से राज्य भर में एक मज़बूत अपराध नेटवर्क बनाया हुआ था और आरपीजी हमले को अंजाम देने वाले व्यक्तियों को लौजिस्टिक सहायता और पनाह प्रदान कर रहा था। चड़त ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविन्दर सिंह उर्फ रिन्दा के द्वारा पाकिस्तान आईएसआई के सक्रिय समर्थन के साथ सरहद पार से एक आरपीजी, एके-47 और अन्य हथियार भी मंगवाए थे। इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (आई. जी. पी.) हैडक्वाटर सुखचैन सिंह गिल ने प्रैस कॉनफ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया कि मुलजिम चड़त सिंह की गिरफ़्तारी के साथ पंजाब पुलिस इस मामले में अब तक आठ मुलजिमों को गिरफ़्तार कर चुकी है, जब कि हमले में शामिल एक और नाबालिग मुलजिम की दिल्ली पुलिस द्वारा हाल ही में की गई गिरफ्तारी से इस मामले में गिरफ्तारियों की कुल संख्या 9 हो गई है। इससे पहले पंजाब पुलिस द्वारा निशान सिंह, जगदीप सिंह, बलजिन्दर सिंह रैंबो, कंवरजीत सिंह बाठ, अनंतदीप सिंह सोनू, बलजीत कौर सुक्खी, लवप्रीत सिंह विक्की को गिरफ्तार किया था।

पीसीए प्रधान गुलजार इंद्र चहल ने दिया इस्तीफा

• **जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़**

पंजाब क्रिकेट एसोसीएशन के प्रधान गुलजार इंद्र चहल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हाल ही में पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने एक पत्र द्वारा गुलजार इंद्र चहल पर कई तरह के गंभीर दोष लगाए थे। उन्होंने पीसीए में बहुत सारी गड़बड़ियां होने की बात कही थी। हरभजन सिंह ने पीसीए के मैंबर बनाने को लेकर प्रधान के इरादे पर कई तरह के सवाल उठाए थे जिसके बाद उन्होंने गुरूवार देर रात इस्तीफा दे दिया। यह जानकारी उन्होंने टविटर द्वारा सांझा की।

उधर, शिरोमणि अकाली दल के नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया ने बीसीसीआई के प्रेसिडेंट सौरव गांगुली को पंजाब

क्रिकेट एसोसिएशन में कथित रूप से चल रहे भ्रष्टाचार को लेकर सीबीआई जांच करवाने की मांग की थी। मजीठिया ने कहा था कि पीसीए पंजाब और चंडीगढ़ में क्रिकेट के विकास और ढांचे को बनाए रखने की सर्वोच्च संस्था है। पहले पीसीए का कामकाज सुचारु रूप से चल रहा था। हालांकि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार आने पर गुलजार इंद्र सिंह चहल के 27 मई, 2022 के प्रैजिडेंट बनने के बाद से कामकाज खराब होना शुरू हो गया। चहल को मुख्यमंत्री भगवंत मान की पसंद बताया गया है।

कहा गया है कि इससे पहले राजेंद्र गुप्ता को प्रेसिडेंट पद से हटा कर चहल को प्रेसिडेंट बनाया गया जो नवजोत सिंह सिद्धू के कार्यकाल के दौरान पंजाब प्रदेश कांग्रेस के खजांची भी थे। पिछले 5 महीने में पीसीए में कई प्रकार की अनियमितताएं सामने आई हैं और नए प्रधान पर नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए करीब 150 नए लाइफ टाइम मेंबर्स बनाकर उन्हें वोटिंग राइट देने का मुद्दा भी गर्माया हुआ है।

ईटीटी काडर के प्राईमरी अध्यापकों के 5994 पदों का विज्ञापन जारी

• **जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़**

पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग ने प्राईमरी अध्यापकों की ईटीटी काडर के 5994 पदों का विज्ञापन जारी किया है। स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि इन पदों के लिए ई.टी.टी. टैट पास उम्मीदवार 14 अक्तूबर 2022 से लेकर 10 नवंबर 2022 शाम 5 बजे तक ऑनलाइन www.educationrecruitmentboard.com पर अप्लाई कर सकते हैं। इन पदों के लिए 200 अंकों की ऑब्जैक्टिव टाईप लिखित परीक्षा ली जायेगी। इन पदों के लिए जनरल वर्ग के लिए उम्र 18 से 37 साल रखी गई है और बाकी आरक्षित और अन्य कैटेगरियों को नियमों के अनुसार उम्र सीमा में छूट दी गई है। जनरल वर्ग के लिए बारहवीं कक्षा में भी कम से कम 50 प्रतिशत और आरक्षित श्रेणी के लिए 45 प्रतिशत अंक होने अनिवार्य हैं। दो साल का ईटीटी कोर्स के साथ अध्यापक योग्यता परीक्षा-1 पास होना अनिवार्य है। कुल 5994 पदों में से 975 पद औरतों के लिए रिज़र्व रखे हैं और इन पदों में 2994 बैकलॉग के पद भी शामिल किए गए हैं। इन पदों के लिए अप्लाई करने की फीस जनरल वर्ग के लिए 1000 रुपए और रिज़र्व कैटेगरी के लिए 500 रुपए रखी गई है।

दिल्ली अब दूर नहीं, हाईवे के हालात कहावत से कोसों दूर

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

नेशनल हाईवे 1 राष्ट्रीय राजमार्ग जोकि अब नेशनल हाईवे 44 के नाम से जाना जाता है, भ्रष्ट अफसरों के लिए काली कमाई का साधन बन चुका है। इस राजमार्ग पर पिछले 15-20 वर्षों से निर्माण कार्य निरंतर चल रहा है। कभी इस मार्ग को फोर लेन करने का काम शुरू किया गया था वो पूरा नहीं हुआ तो कांग्रेस की सरकार द्वारा बिल्ट ऑपरेट ट्रांसफर के तहत प्राइवेट कंपनी को सिक्स लेन का काम मोटे दामों पर टेंडर निकालकर सौंप दिया गया। फिर भाजपा की सरकार और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा इस विभाग को संभाला गया और पानीपत से दिल्ली तक आठ लेन का काम शुरू कर दिया गया।

नेशनल हाइवे विभाग

जिक्रयोग्य है कि इस राजमार्ग पर एक भी दिन निर्माण कार्य को रोका नहीं गया और पार्शियल कम्पलीशन सर्टीफिकेट देकर ठेका कंपनी को अपनी कमिशन की एवज में भारी-भरकम रकम की अदाएगी कर ठेका कंपनियों को करोड़ों रुपए का भ्रष्ट अफसरों द्वारा लाभ पहुंचाया गया, जिसको कंपनी आज तक टोल के रूप में वाहन चालकों से वसूल रहे हैं और गनीमत है की इनको पूछने वाला भी कोई नहीं है।

गौरतलब है कि एक वर्ष पहले पिछले लम्बे समय से जालंधर ब्रीज द्वारा पीएपी चौंक का मुद्दा कई बार प्रकाशित कर प्रशासन को जगाने का काम किया है, परन्तु प्रशासन ऐसी कुम्भकर्णी नींद सोया है कि आजतक पीएपी पुल का मसला सुलझाया नहीं गया और कुछ ही समय पहले गन्दी क्वालिटी का तैयार किया गया रामामंडी पुल के बाद अब दकोहा फाटक के सामने रेलवे द्वारा एक साल पहले जो आरसीसी से बनी हुई दीवार को तोड़कर अब वहां फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है।

वहीं रामामंडी पुल के पास फिर लम्बे जाम लगने शुरू हो गए हैं। ऐसा ही हाल लुधियाना से गुजरते समय लम्बे समय से फ्लाईओवर निर्माण का कार्य चल रहा है परन्तु ना तो वो जल्दी पूरा होता दिख रहा है और साथ ही मंडी गोबिंगढ़ के पास भी हालात ऐसा ही है और हरियाणा और अमृतसर से लेकर दिल्ली तक कई फ्लाईओवर कहीं सिक्स लेनिंग, कही आठ लेनिंग का काम चल रहा है और विदेशों में भारतीय आज भी एयरपोर्ट में जाते समय यह कह कर चले जाते हैं कि भारत में सुधार कभी भी नहीं हो सकता और साथ बैठे रिश्तेदारों को फिर से भ्रष्ट अफसरों की काली कमाई के चक्कर में शर्मसार होना पड़ता है। अगर इसकी सही नियत से केंद्र सरकार जांच करवाए तो मेंटनेंस से लेकर निर्माण कार्यं में हो रहे भ्रष्टाचार से लोगों के टैक्स के रूप में दिए गए पैसे की बर्बादी को रोका जा सकता है। लेकिन हाइवे के मौजूदा हालात देख कर यह कहना गलत नहीं होगा कि *दिल्ली अभी दूर है।*

अमृतसर-दिल्ली राजमार्ग अफसरों के लिए जैकपॉट से कम नहीं

जालंधर : दकोहा व्हीकल अंडर पास शुरू होने के कारण लग रहे लंबे जाम।

एन एच 44 पर कंक्रीट दीवार बनाने और बाद में तोड़ने के लिए कौन जिम्मेदार, जांच का विषय

मुद्दा : नेशनल हाइवे एंड रेलवे

अगर रख-रखाव संबंधी काम की जांच हुई तो बड़ा घोटाला हो सकता है उजागर...

पिछले 14 सालों से लोगों को मौत के मूंह में धकेल रहे जालंधर-पानीपत हाइवे नंबर 44 की भी सीबीआई जांच करवाए केंद्र

नेशनल हाइवे विभाग

जालंधर ब्रीज के पिछले अंक में प्रकाशित खबर की कटिंग

दिवाली मनानी है घर से बाहर, तो इन जगहों पर उत्साह दिखेगा दोगुना

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

इस बार दिवाली उत्सव 23 अक्तूबर से शुरू हो रहा है। दिवाली पांच दिनों का पर्व होता है, जिसमें धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज का पर्व मनाया जाता है। इस बार नरक चतुर्दशी और दीपावली एक ही दिन पर है। ऐसे में चार दिन दीपों का पर्व मनाया जा रहा है। दिवाली के मौके पर लोग अपने परिवार के साथ वक्त बिताते हैं। घर से दूर दूसरे शहर में पढ़ाई और नौकरी के लिए जाते हैं। दीपावली में जब लोग अपने घर वापस आते हैं तो त्योहार की रौनक बढ़ जाती है। वैसे तो दिवाली पर लोग घर पर ही पूजा करते हैं लेकिन अगर आप लंबे समय से परिवार के साथ किसी ट्रिप पर नहीं गए हैं और इस बार दिवाली घर से बाहर किसी खूबसूरत जगह पर मनाना चाहते हैं तो भारत में दिवाली के मौके पर घूमने के लिए कुछ सुंदर शहर हैं। 22 अक्तूबर से वीकेंड शुरू हो रहा है। आप 22 तारीख से अपने सफर की शुरुआत कर सकते हैं।

अमृतसर : दिवाली मनाने के लिए आप अमृतसर घूमने जा सकते हैं। यहां दीपावली का पर्व बहुत ही शानदार अनुभव देगा। दिवाली में अमृतसर में बंदी छोर दिवस मनाया जाता है। यह सिखों का बड़ा त्योहार है। सिखों के छठे गुरु हरगोबिंद जी की कैद से वापसी की याद में बंदी छोर का पर्व मनाया जाता है। इस मौके पर शहर में विशेष प्रार्थनाएं और कीर्तन होते हैं। दिवाली पर आप स्वर्ण मंदिर जा सकते हैं, यहां की रौनक और सुंदरता देखते ही बनती है।

कोलकाता : कोलकाता शहर को सिटी ऑफ जॉय कहा जाता है। वैसे तो यहां नवरात्रि का पर्व बहुत ही भव्य तरीके से मनाया जाता है। लेकिन दिवाली में कोलकाता की रौनक देखते ही बनती है। पूरा शहर दीयों, फेयरी लाइट्स और मोमबत्तियों से चकाचौंध रहता है। हर गली के कोने पर कुछ अद्भुत आतिशबाजी भी देखने को मिलती है। इस मौके पर दक्षिणेश्वर मंदिर आदि धार्मिक स्थल जा सकते हैं।

गोवा : दिवाली के मौके पर गोवा घूमने जा सकते हैं। गोवा में सुंदर कैंडल से घर सजाए जाते हैं और नरकासुर को जलाया जा सकता है। इस दौरान गोवा की रौनक एकदम ही अलग होती है। गोवा में तमाम रेस्तरां और पब्स हैं, जहां आप दिवाली के मौके पर मस्ती कर सकते हैं। बीच पर ठंडी हवाओं का लुत्फ उठा सकते हैं।

वाराणसी : वाराणसी में दिवाली की रौनक देखते ही बनती है। वैसे तो वाराणसी की देव दीपावली बहुत प्रसिद्ध है लेकिन आप दिवाली के मौके पर भी बनारस घूमने जा सकते हैं। दिवाली के मौके पर वाराणसी की बाजारों, गंगा घाट पर घूमने का लुत्फ उठा सकते हैं। गंगा महोत्सव में भी शामिल हो सकते हैं।

मैसूर : दीपों के पर्व दिवाली की रौनक दक्षिण भारत में भी देखने को मिलती है। दिवाली के अवसर पर मैसूर पैलेस को बहुत सुंदर तरीके से सजाया जाता है। बड़े मेले का आयोजन होता है। मैसूर में हर साल लाखों लोग दिवाली मनाने के लिए आते हैं। यहां कि सुंदर बाजार और स्थानीय भोजन का लुत्फ भी दीपावली के मौके पर उठा सकते हैं।

FASSION+

शहनाज गिल का दिखा बिल्कुल अलग अंदाज

शहनाज गिल फैंस की चहेती हैं। उनकी एक-एक तस्वीर के लिए फैंस इंतजार करते हैं। वहीं शहनाज भी अपने चाहने वालों के लिए अक्सर ही तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। साउथ के फिल्मफेयर अवॉर्ड में शामिल होने पहुंची शहनाज गिल का ऐसा लुक देखने को मिला। जिसकी तस्वीरें सामने आने के बाद लोग हैरान है। दरअसल, शहनाज गिल का बिल्कुल हटके लुक सामने आया है। जिसमे वो हमेशा की तरह फैंस को इंप्रेस कर रही हैं।

शहनाज ने अपने इन लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की है। जिसमे वो गोल्डन शेड की कांजीवरम साड़ी में रेडी हैं। शहनाज का ये लुक पूरी तरह से साउथ के सिनेमा के हिसाब से था। शहनाज ने अवॉर्ड शो के लिए कांजीवरम साड़ी को चुना था। जिस पर ग्रीन कलर का शेड था। वहीं इस साड़ी को स्लीवलेस ब्लाउज के साथ मैच किया गया था। वहीं साड़ी के मैचिंग की ज्वैलरी लुक में चार चांद लगाने के लिए काफी दिख रही थी।

वहीं इस लुक को शहनाज ने मेसी हेयर लो बन के साथ बालों में गजरा लगाकर कंप्लीट किया था। जिसमे वो बेहद खूबसूरत लग रही थीं। स्मोकी आईज और न्यूड शेड की लिपस्टिक के साथ ही पिंक ब्लश चिक्स और बीमिंग हाईलाइटर के साथ मेकअप को कंप्लीट किया गया था। जिसमे शहनाज बिल्कुल बदले अंदाज में दिख रही थीं।

वैसे बता दें कि शहनाज का ये लुक और मेकअप करवा चौथ के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। अगर आप मेकअप करने के मामले में अच्छी हैं तो इस लुक को आसानी से ट्राई कर सकती हैं।

बिग बॉस के घर से शहनाज गिल ने जमकर सुर्खियां बटोरी थीं। वहीं घर से निकलने के बाद भी लोगों का क्रेज शहनाज के प्रति कम नही हुआ है। शहनाज ने अपने ट्रांसफार्मेशन से हर किसी को हैरान किया है। वहीं दिन पर दिन उनका बदला हुआ लुक ही फैंस को देखने को मिल रहा है। कांजीवरम साड़ी के लुक में भी शहनाज बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आईं।

हाथों पर नहीं चढ़ता मेहंदी का रंग गाढ़ा, इन टिप्स को करें ट्राई

हर सुहागिन महिला के लिए करवा चौथ का व्रत बेहद खास होता है। इस दिन पत्नी अपने पति की लंबी उम्र की कामना के लिए व्रत रखती है। साथ ही पूजा के लिए पूरे सोलह श्रृंगार कर तैयार होती है। इन सोलह श्रृंगार में एक श्रृंगार मेहंदी भी है। वैसे तो इन दिनों केमिकल वाली मेहंदी आती है जो बिना मेहनत के ही गाढ़ी चढ़ जाती है। लेकिन इन केमिकल वाली मेहंदी से हाथों की स्किन को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए ऑर्गेनिक मेहंदी ही लगाने की कोशिश करनी चाहिए। नेचुरल मेहंदी के रंग को गाढ़ा करने के लिए ये छोटे उपाय बड़े काम आ सकते हैं।

चीनी और नींबू का रस : बहुत से महिलाओं के हाथ काफी ठंडे होते हैं। जिन पर मेहंदी सूखकर जल्दी से गिरने लगती है। जिसकी वजह से वो रच नहीं पाती। इसके लिए आप नींबू के रस और चीनी को घोलकर रख लें। फिर रूई की मदद से हाथों पर इसे लगाएं। जहां भी मेहंदी लगाई हो आपने इस रस को वहां लगाकर छोड़ दें। चीनी और नींबू मेहंदी को अच्छी तरह से चिपकाकर रखेगा जिससे मेंहदी का रंग पूरी तरह से चढ़ेगा।

लगाएं सरसों का तेल : अगर हाथों पर मेहंदी का रंग गाढ़ा नहीं होता तो इसे पानी से ना छुड़ाएं। कई महिलाओं की आदत होती है वो मेहंदी को पानी से छुड़ा लेती हैं। जिसकी वजह से रंग फीका हो जाता है। मेहंदी को पानी की बजाय सरसों के तेल की मदद से छुड़ाएं। हाथों-पैरों में जहां मेहंदी लगी हो वहां पर सरसों का तेल लगाकर धीरे-धीरे मेहंदी छुड़ाएं। इससे रंग गाढ़ा ही बना रहेगा।

लौंग से रंग होगा गाढ़ा : मेहंदी का रंग गाढ़ा करना है तो तवे पर लौंग को रखकर गर्म करें। जब गर्म होकर धुआं निकलने लगे तो इस धुएं को हाथों पर सिकाई के काम में लाएं। इससे भी मेहंदी गाढ़ी रचेगी।

मेहंदी को पानी से छुड़ाने की बजाय किसी चम्मच या चाकू की मदद से छुड़ाएं। इससे मेहंदी छुट जाएगी और आपको पानी भी नहीं लगाना पड़ेगा। मेहंदी छुड़ाने के करीब पांच से छह घंटे तक पानी नहीं लगाना चाहिए।

हेल्दी रेसिपी को सब करेंगे पसंद

ब्रेकफास्ट में बनाएं पालक पनीर चीला

दिवाली का त्योहार नजदीक है। ऐसे में खास दिन के लिए महिलाओं ने मेन्यू सोच लिया होगा। लेकिन दिवाली पूरे पांच दिन का त्योहार होता है। ऐसे में घर के लोग हर दिन कुछ स्पेशल खाने की डिमांड करते हैं। ऐसे में आप जरूर कुछ ऐसा बनाना चाहेंगी, जो टेस्टी भी हो और फटाफट बनकर तैयार भी हो जाए। तो आप चाहें तो धनतेरस की सुबह ही ब्रेकफास्ट में पालक पनीर चीला बनाकर रेडी कर सकती हैं। हेल्दी होने के साथ ही ये काफी टेस्टी भी होगा और बच्चों-बड़ों हर किसी को पसंद आएगा। तो चलिए जानें क्या है पालक पनीर चीला बनाने की रेसिपी।

पालक पनीर चीला की सामग्री

इसे बनाने के लिए चाहिए बेसन दो कप, मूंग की दाल दो कप रातभर भिगोई हुई, साथ में पालक, लाल मिर्च, पनीर सौ ग्राम, चाट मसाला, गरम मसाला, नमक स्वादानुसार, तेल।

पालक पनीर चीला बनाने की विधि

पालक पनीर चीला बनाने के लिए मूंग की दाल को रात भर भिगोकर रख दें। सुबह पीसकर बारीक पेस्ट बना लें। साथ में पालक को पानी में डालकर उबाल लें। अब किसी बड़े बाउल में बेसन लें। साथ में मूंग की दाल का पेस्ट को मिला लें। पालक के उबले पत्तों को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पालक के पेस्ट को भी साथ में मिला लें। अब इसमे नमक, लाल मिर्च, गरम मसाला डालकर मिक्स कर लें।

पनीर को हाथ से मैश कर लें या फिर कद्दूकस कर लें। अब इसमे चाट मसाला और लाल मिर्च डालकर मिक्स कर लें। स्वाद के अनुसार हल्का सा नमक डाल दें। अब नॉनस्टिक तवे को गैस पर गर्म करें। जब तवा गर्म हो जाए तो पालक और मूंग की दाल के पेस्ट को डालकर फैलाएं। जब ये एक तरफ से पक जाए तो धीरे से इसे पलट दें। दोनों तरफ से सिंक जाने के बाद पनीर के मिक्सचर को ऊपर डालें और रोल करें। बस रेडी है पालक पनीर चीला। इसे आप ग्रीन चटनी या फिर मीठी चटनी के साथ सर्व करें।

बढ़ती मानसिक समस्याओं के लिए शराब-धूम्रपान बड़ा कारक

STUDY

शराब और धूम्रपान को अध्ययनों में हृदय रोग, फेफड़ों की समस्याओं से लेकर कैंसर जैसी कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के कारण के तौर पर जाना है। फेफड़ों के बढ़ते कैंसर के लिए धूम्रपान और कोलन कैंसर के लिए शराब पीने वालों में जोखिम सबसे अधिक देखा गया है। पर क्या आप जानते हैं कि शारीरिक समस्याओं के अलावा शराब-धूम्रपान कई प्रकार के गंभीर मनोरोगों को बढ़ाने वाला भी एक कारक हो सकता है? अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि शराब और धूम्रपान मस्तिष्क की कोशिकाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करके तनाव-चिंता और अवसाद जैसी गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाला कारक हो सकता है।

वैश्विक स्तर पर बढ़ रही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और इस बढ़ते खतरे को कम करने के लिए हर साल 10 अक्तूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस लेख में हम शराब-धूम्रपान से मानसिक स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानेंगे।

डॉक्टर्स कहते हैं, आमतौर पर चिंता-तनाव होने पर समस्याओं को भूलने के लिए लोग शराब का विकल्प चुनते हैं, पर यह आदत न सिर्फ आपकी दिक्कतों को बढ़ा देती है साथ ही इसके दीर्घकालिक रूप से भी दुष्प्रभावों का जोखिम हो सकता है। आइए इस बारे में आगे विस्तार से समझते हैं।

यह बड़ी मिथ है कि शराब पीने से टेंशन कम होती है, जबकि असलियत यह है कि शराब आपके लिए टेंशन को और भी बढ़ाने वाली हो सकती है। चिंता-अवसाद जैसे विकारों में शराब पीने से कुछ समय के लिए तो आप नशे में चीजें भूल जाते हैं पर इसकी आदत बनना, स्थिति के सही निदान होने में देरी कर देती है जिससे चिंता विकार गंभीर रूप लेकर अवसाद तक पहुंच सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल जरूरी, चिंता-तनाव में क्या करें-क्या नहीं?

HEALTH+

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के मामले में 20 फीसदी तक का उछाल देखा जा रहा है। समय के साथ यह बड़े खतरे के तौर पर उभरती समस्या है जिसपर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है...

मानसिक स्वास्थ्य को विशेषज्ञ आज के समय की बड़ी प्राथमिकता के तौर पर देख रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि सभी उम्र के लोगों को मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीरता से ध्यान देते रहने की आवश्यकता है। अध्ययनों में भी कहा गया है कि शरीर को तभी स्वस्थ रखा जा सकता है, जब मन स्वस्थ होगा। जिस तरह से कोरोना महामारी के बाद से चिंता-तनाव जैसी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं बढ़ती हुई देखी जा रही हैं, विशेषज्ञों का कहना है कि इसको लेकर लोगों को और भी सतर्कता बरतना चाहिए। समय पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर ध्यान देकर इसे गंभीर रूप लेने से रोका जा सकता है।

मनोचिकित्सक कहते हैं, कोरोना महामारी के बाद से मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के मामले में 20 फीसदी तक का उछाल देखा जा रहा है। समय के साथ यह बड़े खतरे के तौर पर उभरती समस्या है जिसपर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। वैश्विक स्तर पर बढ़ रही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और इस बढ़ते खतरे को कम करने के लिए हर साल 10 अक्तूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।

डॉक्टर कहते हैं, तनाव-चिंता जैसी समस्याओं को हल्के में लेने की गलती न करें। आइए जानते हैं कि अगर आपको भी इस तरह की दिक्कतों का अनुभव हो रहा है तो इसमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं?

क्या करें

लाइफस्टाइल को ठीक रखने पर दें ध्यान

तनाव-चिंता जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम करने के लिए लाइफस्टाइल में बदलाव बहुत आवश्यक होता है। इसके लिए योग का अभ्यास करें, संगीत सुनें, मेडिटेशन करें। संतुलित भोजन से भी लक्षणों को कम करने में मदद मिल सकती है। तनाव-चिंता जैसी स्थितियों में दोस्तों से बात करें, अपनी परेशानियों को साझा करें, इससे मानसिक शांति मिलती है और समस्या के लक्षणों के कम किया जा सकता है।

अच्छी नींद और नियमित व्यायाम बहुत जरूरी

मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं के जोखिम को कम करने के लिए अच्छी नींद लेना सभी के लिए बहुत आवश्यक माना जाता है। तनाव की स्थिति में शरीर को बेहतर आराम की आवश्यकता होती है, जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उनमें तनाव की समस्या बढ़ने और स्थिति के गंभीर रूप लेने का खतरा अधिक हो सकता है। अच्छी नींद के साथ नियमित योग-व्यायाम और मेडिटेशन के अभ्यास से भी समस्या में लाभ पाया जा सकता है। चिंता के लक्षणों को कम करने में डीप ब्रीदिंग के अभ्यास को कारगर माना जाता है।

क्या न करें?

स्क्रीन टाइम कम कर दें

यदि आपको भी कुछ समय से चिंता-तनाव जैसी समस्या बनी हुई है तो इसके लक्षणों को कम करने के लिए स्मार्टफोन, कंप्यूटर और टीवी जैसे स्क्रीन्स पर समय बिताना कम कर दें। स्क्रीन टाइम बढ़ना नींद विकारों के साथ मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं को भी बढ़ाने वाला माना जाता है। अध्ययनों में पाया गया है कि स्मार्टफोन से हमेशा चिपके रहने की आदत चिंता-तनाव और अवसाद जैसे विकारों के जोखिम को कई गुना तक बढ़ा देती है। इससे बचाव करें।

शराब-नशीली चीजों से परहेज

किसी भी प्रकार की मानसिक स्वास्थ्य समस्या महसूस होने पर शराब या किसी भी नशीली चीजों का सेवन न करें, इससे समस्या कम होने के बजाय बढ़ सकती है। शराब, कुछ समय के लिए अवरोधक का काम करके आपको नशे में रख सकती है पर इससे बीमारी के सही निदान में देरी हो सकती है, जिसके कारण रोग के गंभीर रूप लेने का खतरा रहता है। ध्यान रखें, नशीली चीजें, चिंता को कम नही करतीं बल्कि इसके कारकों को कई गुना तक बढ़ा जरूर देती हैं।

पंजाब/हिमाचल प्रदेश/हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेशों चंडीगढ़/ जम्मू और कश्मीर में पंजीकृत भर्ती एजेंट

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

ईसीआर पासपोर्ट धारकों के ईसीआर देशों (अफगानिस्तान, बहरीन, इंडोनेशिया, इराक, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, लीबिया, मलेशिया, ओमान, कतर, सऊदी अरब, दक्षिण सूडान, सूडान, सीरिया, थाईलैंड, संयुक्त अरब) में सुरक्षित और कानूनी प्रवास के लिए अमीरात, और यमन), वह सीधे प्रवास कर सकता है या पंजीकृत भर्ती एजेंटों की सेवाएं ले सकता है।

उत्प्रवासी महासंरक्षी (पीजीई), विदेश मंत्रालय, उत्प्रवास अधिनियम, 1983 के अनुरूप, विदेशी जनशक्ति निर्यात व्यवसाय के लिए भर्ती एजेंटों को पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए पंजीकरण प्राधिकरण है। अवैध भर्ती एजेंटों की सेवाएं लेना, जो पीजीई के साथ पंजीकृत नहीं है, सलाह नहीं दी जाती है। विदेश मंत्रालय, विदेशों में अपने दूतावास के माध्यम से विदेशों में भारतीय नागरिकों, विशेषकर प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा के लिए काम करता है। सुरक्षित और कानूनी प्रवास के लिए, मंत्रालय ने ई-माइग्रेट पोर्टल लॉन्च किया है जिसके माध्यम से ईसीआर देशों में जाने वाले ईसीआर पासपोर्ट धारकों की भर्ती को विनियमित किया जाता है। पोर्टल यह सुनिश्चित करता है कि अत्यधिक शुल्क और फर्जी नौकरी के वादों के माध्यम से किसी को भी अवैध एजेंटों द्वारा धोखा नहीं दिया जाएं।

एमिग्रेट पोर्टल पंजीकृत भर्ती एजेंटों और पंजीकृत विदेशी नियोक्ताओं के माध्यम से काम करता है। कोई भी जो अवैध एजेंटों की सेवाएं लेता है और ईसीआर देशों में प्रवास करता है, उसे वेतन का भुगतान न करना, वादा की गई नौकरी नहीं दी जाना, शारीरिक और मानसिक यातना और कभी-कभी यौन उत्पीड़न जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

अपंजीकृत एजेंटों की मदद से प्रवास करना उत्प्रवास अधिनियम 1983 के अनुसार एक आपराधिक अपराध है। सभी अपंजीकृत एजेंसियों को ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं होने की चेतावनी दी जा रही है, अर्थात ईसीआर श्रेणी के देशों के लिए ईसीआर पासपोर्ट धारकों की भर्ती। इस तरह की गतिविधियां उत्प्रवास अधिनियम 1983 का उल्लंघन है और मानव तस्करी की राशि है, जो एक दंडनीय आपराधिक अपराध है।

पंजीकृत भर्ती एजेंटों के माध्यम से प्रवास के लाभ हैं:- • कर्मचारी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भर्ती एजेंट की ओर से जवाबदेही होगी। • उत्प्रवासी द्वारा किसी भी शिकायत के मामले में, वह इसेई-माइग्रेटवेबसाइट में पंजीकृत कर सकता है, और इसका पालन उत्प्रवासियों के संरक्षक जनरल द्वारा किया जाएगा। • प्रवासी भारतीय बीमायोजना योजना के तहत श्रमिक का बीमा कवरेज होगा।

चीते की तरह तेजी से दौड़ेगा भारत

भारत को अगले 25 साल में समृद्ध और विकसित देश बनाने के सपने को साकार करने के लिए मोदी सरकार ऐतिहासिक कदम उठा रही है। तीव्र, समान विकास के साथ देश में आमूलचूल बदलाव लाने का लक्ष्य है और इसे हासिल किया जाएगा। वास्तव में, यह परिवर्तन आठ साल पहले शासन में मूलभूत बदलावों के साथ ही शुरू हो गया था, जिसने आम आदमी को सशक्त और विशेष होने का अहसास कराया है। इसके साथ ही भारत दुनिया में एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में उभरा, जिसके साथ हर देश बड़ी उत्सुकता से जुड़ना चाहता है। नई लॉजिस्टिक्स नीति भारत के गौरव को बढ़ाने की दिशा में नवीनतम पहल है। लॉजिस्टिक्स में 5 'आर' महत्वपूर्ण होते हैं। राइट यानी सही उत्पाद पाना, सही स्थिति में, सही जगह, सही समय पर और सही ग्राहक को मिलना।

नई नीति में यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि सभी 'आर' सही हों। यह छोटे किसान, एमएसएमई, बड़ी फैक्ट्रियों और आम आदमी के हित में होगा। यह अर्थव्यवस्था के इंजन को कुछ इस तरह से गति देगा कि करोड़ों नौकरियां पैदा होंगी, समृद्ध महानगरीय क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों के बीच असमानताओं को खत्म करने में मदद मिलेगी, माल और लोगों की आवाजाही में तेजी आएगी और दक्षता बढ़ने से भारी बचत होगी।

यह नीति लॉजिस्टिक्स खर्च को अनुमानित रूप से जीडीपी के 13-14 प्रतिशत से घटाकर इकाई अंक के स्तर पर ले आएगी। यह बचत बहुत बड़ी है। 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में पांच प्रतिशत-प्वाइंट की बचत 150 अरब डॉलर के लाभ के बराबर है, जो भारत के संपूर्ण आउटसोर्सिंग उद्योग के अनुमानित मूल्य के बराबर है। इस उपहार से सबसे बड़ा लाभ छोटे किसानों और बड़ी संख्या में एमएसएमई को होगा क्योंकि कम मूल्य के सामानों का परिवहन खर्च अपेक्षाकृत बहुत अधिक होता है जबकि रत्नों और गहनों जैसे कीमती सामानों की खेप तो हवाई मार्ग से ले जाने पर भी लाभदायक हो सकती है। परंपरागत रूप से, छोटे किसान अक्सर फलों और सब्जियों को औने-पौने भाव पर बेच देते हैं क्योंकि खराब होने वाली वस्तुओं में सड़न शुरू होने से पहले इसे खरीदार तक पहुंचना जरूरी होता है। बेहतर लॉजिस्टिक्स के साथ, ऐसी चीजों को शीघ्र ही लंबी दूरी तक भेजा जा सकता है जिससे इसे नए बाजार मिलेंगे।

बेहतर लॉजिस्टिक्स से आपूर्ति में काफी सुधार होगा और लागत में कमी आएगी। इसका मतलब यह हुआ कि कृषि उपज के खेत से थाली तक के सफर में, पूरा अर्थशास्त्र सुखद रूप से बदल सकता है। इससे किसानों को ज्यादा पैसा मिलेगा और खरीदार को सस्ता खाना मिल सकेगा। प्रत्येक उपभोक्ता

(लेखक, भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और वस्त्र मंत्री तथा राज्यसभा में सदन के नेता हैं।)

की संपूर्ण खरीदारी के संबंध में अलग-अलग स्तर पर भी ऐसा ही होगा क्योंकि जिस चीज का भी उत्पादन होता है, विनिर्माण या निर्माण होता है उसके मूल्य के कम या ज्यादा होने में लॉजिस्टिक्स खर्च एक महत्वपूर्ण घटक होता है। नई लॉजिस्टिक्स नीति मोदी सरकार की दूसरी प्रमुख पहलों, विशेष रूप से पीएम गतिशक्ति के साथ सामंजस्य स्थापित करती है, यह परिवर्तनकारी पहल डिजिटल रूप से सक्षम प्रणालियों के साथ बुनियादी ढांचा निर्माण की योजना से लेकर कार्यान्वयन को बढ़ावा देती है। डिजिटल सिस्टम से साइलो खत्म होते हैं और डेटा का खजाना एवं कई परतों में जानकारी उपलब्ध हो पाती है। इससे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना बनाने वालों और कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार लोगों को वन भूमि, रक्षा भूमि, बिजली लाइनों के साथ ही कई अन्य मसलों के बारे में पहले से ही डेटा उपलब्ध हो जाता है जिससे अचानक कुछ ऐसा सामने न आए कि परियोजनाओं में देरी हो।

पीएम गतिशक्ति और नई लॉजिस्टिक्स नीति भी प्रधानमंत्री मोदी के संपूर्ण सरकार के दृष्टिकोण का उदाहरण है, जो शासन में साइलो (विभागों के बीच समन्वय का अभाव) से छुटकारा दिलाता है। उच्च गुणवत्ता वाली ग्रामीण सड़कों और एक्सप्रेसवे के निर्माण, कंटेनर के वापस आने के समय में सुधार, तेज एवं सुरक्षित रेलवे और समर्पित माल ढुलाई गलियारे जैसी पहलों के साथ ये नीतियां विश्वस्तरीय डिजिटल तकनीक के साथ विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करेंगी, जिससे विकसित देशों की तरह उत्पादकों, वितरकों और खुदरा ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवा मिले। ये नीतियां उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के उत्पादन, निर्यात में वृद्धि, दुनिया के साथ व्यापारिक जुड़ाव बढ़ाने, वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक बड़ी भूमिका निभाने के लिए प्रमुख पहलों में योगदान करती हैं। इन सभी पहलों के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स की जरूरत होती है। यह ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है कि जो भी देश समृद्ध हुए हैं वहां तेज आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के लिए वैश्विक व्यापार और निर्यात प्रमुख साधन रहे हैं। भारत ने रत्न और आभूषण, चमड़ा और हस्तशिल्प जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों के लिए विकसित बाजारों के दरवाजे खोलने के लिए व्यापार समझौतों का उपयोग करने की रणनीति अपनाई है।

बेहतर लॉजिस्टिक्स से निर्यातकों को बहुत अधिक लाभ होता है क्योंकि उनका सामान ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो जाएगा और खरीदारों को तेजी से एवं निश्चित समय में पहुंचाया जा सकता है। जैसा, प्रधानमंत्री मोदी ने समीक्षा में पाया कि निर्यातकों को माल ट्रैक और ट्रेस करने के लिए शिपिंग बिल नंबर, रेलवे कंसाइनमेंट नंबर, ई-वे बिल नंबर आदि रखने होते हैं। उन्हें कई अधिकारियों के पास भी जाना पड़ता है। उनकी मदद के लिए एकीकृत लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म शुरू किया गया है। इसके अलावा, लॉजिस्टिक्स नीति के तहत ईज ऑफ लॉजिस्टिक्स सर्विसेज या ईलॉग्स नाम से एक डिजिटल प्लेटफॉर्म भी सामने आने वाली किसी भी समस्या को हल करने में मदद करेगा। मोदी सरकार के आठ शानदार वर्षों में भारत में लॉजिस्टिक्स में पहले से काफी सुधार हुआ है। कोविड महामारी के चरम पर होने के दौरान देश ने दवाएं, ऑक्सीजन और खाद्यान्न पहुंचाया। डिजिटल इंडिया जैसी दूरदर्शी पहलों ने भारत को महामारी के चरम पर होने के दौरान घर से काम करने की आवश्यकता के अनुकूल बनाने में मदद की।

बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स अब भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए जरूरी लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार हैं। निश्चित ही, नीति बनाने मात्र से यह काम नहीं हो सकता है लेकिन जैसा प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि 'नीति+प्रदर्शन = प्रगति' हासिल होगी। नई नीति की घोषणा उस दिन की गई जिस दिन चीते भारत की धरती पर लौट आए। पृथ्वी पर सबसे तेज चलने वाले जानवर के आगमन ने परिवहन के लिए एक बड़ा संदेश दिया। लॉजिस्टिक्स के लिए अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, 'मुझे उम्मीद है कि आप चीते की रफ्तार से माल पहुंचाएंगे।' शानदार ट्रैक रिकॉर्ड और प्रदर्शन के आधार पर भारत निश्चित रूप से एक विकसित देश बनने के लिए चीते की तरह आगे बढ़ेगा।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के पिता भी थे सीजेआई संजय गांधी को सुनाई थी कैद की सजा

अपने पिता के सीजेआई रहने के 37 साल बाद जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ देश के 50वें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बनेंगे। एक फिल्म के मामले में वाईवी चंद्रचूड़ ने संजय गांधी को सजा सुनाई थी।

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) यूयू ललित ने अगले प्रधान न्यायाधीश के पद के लिए जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नाम की सिफारिश की है। अगले महीने वह देश के 50वें सीजेआई बनेंगे। खास बात यह है कि उनके सीजेआई बनने के बाद पहली बार ऐसा होगा जब कोई पिता-पुत्र न्यायपालिका के शीर्ष पद तक पहुंचेंगे। उनके पिता वाईवी चंद्रचूड़ भी सीजेआई रह चुके हैं।

जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ 1978 में देश के प्रधान न्यायाधीश बने थे। वह 1985 में सेवानिवृत्त हो गए थे। खास बात यह भी है कि वह देश के सबसे लंबे समय ते प्रधान न्यायाधीश रहने वाले जज हैं। अब उनके बेटे जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ भी लगभग दो साल देश के सीजेआई रहेंगे।

संजय गांधी को सुनाई थी सजा : जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के पिता वाईवी चंद्रचूड़ ने संजय गांधी को 'किस्सा कुर्सी का' फिल्म के मामले में जेल की सजा सुनाई थी। यह फिल्म एक व्यंग्य पर आधारित थी जो कि इंदिरा गांधी और उनके बेटे संजय गांधी पर किया गया था। इमर्जेंसी के दौरान सरकार ने इस फिल्म को बैन कर दिया था।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने पिता के ही फैसलों को

पलटा : साल 2017-18 में जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने पिता के ही दो फैसलों को पलट दिया था। उन्होंने एडल्टरी लॉ और शिवकांत शुक्ला बनाम एडीएम जबलपुर फैसले को पलट दिया था। उन्होंने कहा था कि अब सेक्शुअल ऑटोनॉमी को महत्व मिलना चाहिए। अग्रेजों के जमाने का कानून पितृसत्तात्मक सोच को प्रदर्शित करता है।

इसके अलावा भी उन्होंने अपने कार्यकाल में कई अहम फैसले दिए हैं। 21 अगस्त को नोएडा में गिराए गए ट्विन टावर को ढहाने का भी आदेश देने में उनका बड़ा हाथ था। इसके अलावा महिलाओं को गर्भपात का का अधिकार देने वाली बेंच की भी अगुवाई जस्टिस चंद्रचूड़ ही कर रहे थे। अयोध्या मामले में फैसला देने वाली बेंच की भी जस्टिस चंद्रचूड़ हिस्सा थे।

एसवाईएल नहर विवाद सुलझने की आस जगी, हरियाणा और पंजाब के मुख्यमंत्री 14 को करेंगे चर्चा

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

खट्टर ने पिछले दिनों संवाददाताओं से कहा कि हम निश्चित रूप से इस मुद्दे को सुलझाने का कोई रास्ता निकालने की कोशिश करेंगे। उन्होंने पिछले महीने कहा था कि एसवाईएल का पानी हरियाणा के लिए महत्वपूर्ण है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और पंजाब के उनके समकक्ष भगवंत मान 14 अक्टूबर को सतलुज-यमुना लिक (एसवाईएल) नहर मुद्दे पर चर्चा के लिए बैठक करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में दोनों मुख्यमंत्रियों से कहा था कि वे आपस में चर्चा कर मामले का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने की कोशिश करें।

खट्टर ने यहां पिछले दिनों संवाददाताओं से कहा कि हम निश्चित रूप से इस मुद्दे को सुलझाने का कोई रास्ता निकालने की कोशिश करेंगे। उन्होंने पिछले महीने कहा था कि एसवाईएल का पानी हरियाणा के लिए महत्वपूर्ण है।

खट्टर ने कहा था कि एक तरफ हमें यह पानी नहीं मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ दिल्ली हमसे और पानी

की मांग कर रही है। इस मुद्दे को जल्द से जल्द हल करने के लिए समयसीमा तय करना बहुत जरूरी हो गया है।

पंजाब में, विपक्षी दलों ने हाल में मान से कहा था कि वह राज्य की भलाई के लिए इस मुद्दे पर मजबूती से खड़े रहें। एसवाईएल नहर से जल बंटवारा कई दशकों से दोनों राज्यों के बीच विवाद का विषय रहा है।

पंजाब रावी-ब्यास नदी के पानी की मात्रा के पुनर्मूल्यांकन की मांग कर रहा है, जबकि हरियाणा एसवाईएल नहर को पूरा करने की मांग कर रहा है ताकि उसे नदी के पानी का 35 लाख एकड़ फुट का अपना हिस्सा मिल सके। केंद्र ने छह सितंबर को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया था कि पंजाब सरकार विवाद को सुलझाने में सहयोग नहीं कर रही है।

केंद्र की ओर से तत्कालीन अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने बेंच को बताया था कि सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में एक सौहार्दपूर्ण समाधान का आह्वान किया था और वह अपने जल संसाधन मंत्रालय के माध्यम से दोनों राज्यों को एक ही पृष्ठ पर लाने की कोशिश कर रहा था। शीर्ष कानून अधिकारी ने कहा कि दुर्भाग्य से, पंजाब सहयोग नहीं कर रहा है।

हालांकि, पंजाब के वकील ने पिछले महीने जस्टिस एस.के. कौल की अध्यक्षता वाली बेंच को बताया था कि राज्य सरकार इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए बहुत उत्सुक है। हालांकि, दोनों राज्यों के बीच आधिकारिक स्तर की बातचीत चल रही है, केंद्र दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच बैठकों पर जोर देता रहा है।

वेणुगोपाल ने कहा था कि बेंच पंजाब के वकील को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दे सकती है कि मुख्यमंत्री अपने हरियाणा समकक्ष के साथ चर्चा में भाग लें।

बेंच ने कहा कि अटॉर्नी जनरल ने ठीक ही कहा है कि पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों की बैठक होनी थी और होनी चाहिए थी और हमारे सामने मौजूद वकील ने इस पर सहमति जताई है कि इस तरह की बैठक इसी महीने में होगी।

पाकिस्तान ने अमेरिकी राहत फंड को भी नहीं बख्शा, जमकर मचाई लूट-खसोट, आगबबूला हुए बाइडन के अधिकारी

• **जालंधर ब्रीज.** वर्ल्ड न्यूज

पाकिस्तान द्वारा भ्रष्टाचार की एक ऐसी करतूत सामने आई है जिसे सुनने के बाद अमेरिका आगबबूला हो गया है। दरअसल, पाकिस्तान में आए भीषण बाढ़ से बचाव के लिए अमेरिका ने राहत फंड भेजा था लेकिन पाकिस्तानी नेताओं और अधिकारियों ने इसमें भी लूट-खसोट मचा दी। जांच में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का पता चला है। वहीं इसकी जानकारी जब अमेरिका को लगी तो अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने पाकिस्तान की क्लास लगा दी। प्राइस ने कहा कि इस तरह की हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में ही नहीं बल्कि दुनिया के किसी भी देश में हम भ्रष्टाचार तो स्वीकार नहीं करेंगे। प्राइस ने कहा कि हम दुनिया में त्रासदी झेल रहे देशों की मदद करते हैं, हम उनकी सुरक्षा के लिए वित्तीय सहायता भेजते हैं लेकिन इस तरह से भ्रष्टाचार करना बहुत गंभीर मामला है। हम इसका आंकलन करेंगे और आगे कार्रवाई पर विचार करेंगे।

हमने अपने कार्यक्रमों की निगरानी के लिए टीम बनाई है: नेड प्राइस

भ्रष्टाचार को गंभीर मानते हुए नेड प्राइस ने कहा कि हमने पर्याप्त ट्रैकिंग तंत्र की निगरानी स्थापित किया है। प्राइस ने कहा कि टीम के सदस्य क्षेत्र में हमारे कार्यक्रमों की निगरानी के लिए नियमित यात्राएं करते हैं। हमारे पास एक आपदा सहायता प्रतिक्रिया टीम भी है जिसे डार्ट कहा जाता है और उनके सदस्य सिंध प्रांत के बलूचिस्तान में 10 से अधिक बाढ़ प्रभावित जिलों की यात्रा कर रहे हैं।

अमेरिका ने बाढ़ राहत के नाम पर दिए थे 460 करोड़ रुपए : बता दें कि अमेरिका ने पाकिस्तान को बाढ़ राहत प्रदान करते हुए 460 करोड़ रुपये की खाद्य सुरक्षा सहायता के अतिरिक्त 75 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। साथ ही अमेरिका ने विनाशकारी बाढ़ के कारण पूरे पाकिस्तान में हुई तबाही और जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया था। लेकिन इस तरह से पाकिस्तान में भ्रष्टाचार ने अमेरिका को बड़ा झटका दिया है।

ब्रिटेन की संसद को पहली बार रोबोट ने किया संबोधित, संबोधन सुन हैरान रह गए सभी सांसद

• **जालंधर ब्रीज.** वर्ल्ड न्यूज

ब्रिटेन की संसद में मंगलवार को विशेष दिन रहा। दरअसल, पहली बार संसद में ह्यूमनॉइड रोबोट ने संबोधित किया। इस संबोधन को सुनने के लिए सभी सांसद रोमांचित नजर आए। हालांकि संबोधन के दौरान रोबोट में खराबी भी लेकिन कुछ ही देर में इसे दुरुस्त कर लिया गया। संबोधन का विषय था क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रचनात्मक उद्योग के लिए कोई खतरा है? बता दें कि रोबोट Ai-Da को 2019 में आधुनिक और समकालीन कला के विशेषज्ञ, Aidan Meller द्वारा बनाया गया था, और बाद में इसे कॉर्नवाल-आधारित इंजीनियर आर्ट्स ने अपने कब्जे में ले लिया।

यूके कमेटी ने रोबोट से पूछे सवाल : यूके कमेटी ने जब महिला रोबोट से सवाल पूछा कि आप कला का निर्माण कैसे करते हैं और यह मानव कलाकारों के उत्पादन से कैसे भिन्न है? जवाब में, Ai-Da ने कहा कि मैं अपनी आंखों में कैमरों द्वारा अपने चित्रों का उपयोग कर सकती हूं, मेरे AI एल्गोरिदम और मेरे रोबोटिक आर्म को कैनवास पर पेंट करने पर आकर्षक छवियां प्राप्त होती हैं। आई-दा (Ai-Da) ने कहा कि वह दुनिया की पहली प्रोफेशनल ह्यूमेनॉयड आर्टिस्ट है। जो अपनी कलाकृतियां खुद बनाती है। रोबोट है इसलिए उसके काम को सोचने का नजरिया भी आर्टिफिशियस इंटेलिजेंस के जरिए ही होता है। जो रोबोट सोचता है उसे कैनवास पर उतार देता है या जो वह देखता है उसे।

कला बनाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका बढ़ती रहेगी: रोबोट

रोबोट ने यूके की संसद को बताया, कला बनाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका बढ़ती रहेगी। जिस तरह से हम कला बनाते हैं उस पर प्रौद्योगिकी का पहले से ही बहुत प्रभाव पड़ा है। कला के बारे में बात करते हुए, ऐ-दा ने कहा, कला कई चीजें हो सकती है, पेंटिंग से लेकर ड्राइंग या कविता तक। मेरे कला अभ्यास में उपरोक्त सभी शामिल हैं। क्योंकि कला अक्सर व्याख्या के लिए खुली होती है, दर्शकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

भारतीय मूल के सिख परिवार को मारने के संदिग्ध पर हत्या के चार आरोप, हो सकती है मौत की सजा

• **जालंधर ब्रीज.** वर्ल्ड न्यूज

सैन फ्रांसिस्को में भारतीय मूल के सिख परिवार के आठ माह के बच्चे समेत चार की हत्या में शामिल एक आरोपी पर फर्स्ट-डिग्री हत्या के चार मामलों का आरोप लगाया गया है। अपहरण और हत्या के आरोप में जीसस सालगाडो को 6 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था।

लॉस एंजिल्स टाइम्स द्वारा अभियोजकों के हवाले से कहा कि सोमवार को उसपर फर्स्ट-डिग्री हत्या के चार मामलों का आरोप लगाया गया है। मर्सिड काउंटी जिला अटॉर्नी के कार्यालय ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा कि वह इस साल यह तय नहीं करेगा कि 48 वर्षीय सालगाडो के मामले में मौत की सजा को आगे बढ़ाया जाए या नहीं। जिला अटॉर्नी किम्बर्ली लुईस ने आरोपों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। बता दें कि,

अभियोजकों के हवाले से कहा कि उसपर फर्स्ट-डिग्री हत्या के चार मामलों का आरोप लगाया गया है। मर्सिड काउंटी जिला अटॉर्नी के कार्यालय ने कहा कि वह इस साल यह तय नहीं करेगा कि 48 वर्षीय सालगाडो के मामले में मौत की सजा को आगे बढ़ाया जाए या नहीं।

सालगाडो ने जिस परिवार का अपहरण कर हत्या की, उसमें आठ महीने की बच्ची आरोही ढेरी, उसकी 27 वर्षीय मां जसलीन कौर, 36 वर्षीय पिता जसदीप सिंह और 39 वर्षीय चाचा अमनदीप सिंह शामिल है। अपहरण के बाद परिवार के सदस्यों को उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली तो मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने लापता होने की जांच 3 अक्तूबर को शुरू की। मर्सिड काउंटी शेरिफ कार्यालय की तरफ से जांचकर्ताओं को वीडियो में एक संदिग्ध को बंदूक की नोक पर परिवार का अपहरण करते और ट्रक में ले जाते हुए दिखाया गया। अमेरिका में मारे गए चार भारतीय मूल के सिखों के शोक संतप्त रिश्तेदारों ने कैलिफोर्निया में 300,000 अमरीकी डालर से अधिक की राशि जुटाई है, लेकिन उनके बुजुर्ग माता-पिता भारत वापस आ गए हैं।

शेरिफ कार्यालय ने एक बयान में कहा कि सालगाडो ने पिछले मंगलवार को आत्महत्या का प्रयास किया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसके बाद उसे जेल भेज दिया गया है। सालगाडो पर ट्रक में आग लगाने, अवैध रूप से एक बन्दूक रखने और आगजनी करने का भी आरोप है। उनके भाई, अल्बर्टो सालगाडो को भी इस मामले में आपराधिक साजिश और सबूत नष्ट करने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। 2005 में सालगाडो एक परिवार को बंदूक की नोक पर लेकर लूटपाट करने के आरोप में लगभग एक दशक जेल में बीता चुका है।

भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार की ऐतिहासिक पहल

9200 करोड़ रुपए की बाज़ार कीमत वाली 26,300 एकड़ कृषि योग्य शामलात ज़मीन की गई चिन्हित : धालीवाल

शामलात ज़मीनों पर नाजायज कब्जों सम्बन्धी शिकायत या सूचना देने के लिए वाट्सऐप नंबर 9115116262 जारी, सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जायेगी

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब सरकार द्वारा देश भर में एक बड़ी पहल करते हुए ऐसी पंचायती ज़मीनों की पहचान करने का इतिहास रचा है, जिनका पंचायतों को पता ही नहीं था। गुरूवार को पंजाब भवन में पत्रकार सम्मेलन के दौरान जानकारी साझी करते हुए राज्य के ग्रामीण विकास और पंचायत मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के योग्य नेतृत्व अधीन ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा गाँवों की शामलात ज़मीनों से नाजायज कब्ज़े छुड़ाने और शामलात ज़मीनों की पहचान करने के लिए सरकार द्वारा बड़े स्तर पर मुहिम आरंभ की गई थी। उन्होंने बताया कि इस मुहिम को सुचारू ढंग से चलाने के लिए ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग द्वारा एक अलग शामलात सैल की स्थापना की गई है।

कुलदीप सिंह धालीवाल ने बताया कि विभाग द्वारा शामलात ज़मीनों से संबंधित सभी राजस्व विभाग के रिकॉर्ड को पूरी गहराई से जाँचा-पड़ताला जा रहा है, जिस सम्बन्धी अब तक 153 ब्लॉकों में से 86 ब्लॉकों के शामलात ज़मीन सम्बन्धी मौजूदा राजस्व विभाग के रिकॉर्ड को जाँचने-पड़तालने का काम मुकम्मल हो चुका है। इस पड़ताल के दौरान विभाग ने 26300 एकड़ कृषि योग्य पंचायती ज़मीन की पहचान की गई है, जो पंचायतों के पास नहीं थी, जिसकी अंदाजन बाज़ार कीमत लगभग 9200 करोड़ रुपए है।

ग्रामीण विकास मंत्री ने पहली सरकारों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि किसी भी पहली सरकार ने शामलात ज़मीनों की देखभाल को संजीदगी से नहीं लिया। उन्होंने कहा कि परन्तु हमारी सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 26,300 एकड़ शामलात ज़मीन की पहचान की है, जो हमारी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है।

कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जल्द ही बाकी बचे ब्लॉकों में शामलात ज़मीन की पहचान का काम मुकम्मल किया जाये, जिससे कि और हजारों एकड़ शामलात ज़मीन की पहचान की जा सके। जिस संबंधी विवरण 31 दिसंबर, 2022 से पहले साझे किये जाएंगे और उन्होंने साथ ही कहा कि ऐसी सभी ज़मीनों के कब्ज़े लेने का लक्ष्य दिसंबर 2023 तक मुकम्मल कर लिया जायेगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि शामलात ज़मीनों के रिकॉर्ड को विभाग की वैबसाईट पर भी अपलोड किया जा रहा है।

कुलदीप सिंह धालीवाल ने पंचायती ज़मीनों से नाजायज कब्ज़े छुड़ाने की मुहिम को आगे चलाते हुए एक वाट्सऐप नंबर जारी करते हुए पंजाब के समूह नागरिकों से अपील की है कि पंजाब निवासी शामलात ज़मीनों पर नाजायज कब्जे सम्बन्धी शिकायत या सूचना वाट्सऐप नंबर 9115116262 पर दें, जिससे विभाग की कारगुज़ारी में और भी सुधार किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जायेगी। ग्रामीण विकास मंत्री ने बताया कि पिछले लगभग 7 महीनों के दौरान सरकार द्वारा शामलात ज़मीनों से नाजायज कब्ज़े छुड़वाने की मुहिम के पहले पड़ाव के दौरान कुल 9126 एकड़ ज़मीन का कब्ज़ा ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग के द्वारा ग्राम पंचायतों से प्राप्त किया जा चुका है। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अपील के उपरांत लोगों द्वारा प्रेरित होकर बड़ी संख्या में शामलात ज़मीनों से अपने तौर पर कब्ज़े छोड़ते हुए गाँवों की पंचायतों को लगभग 3435 एकड़ ज़मीन सौंपी गई है। वहीं ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग द्वारा 5691 एकड़ ज़मीन अपने स्तर पर प्रयास करें और कानूनी दख़ल के द्वारा हासिल की गई।

कुलदीप सिंह धालीवाल ने ऐलान किया कि जो कोई पंचायती ज़मीनों से नाजायज कब्ज़े छुड़वाए गए हैं, उनको गाँवों के विकास के लिए कृषि योग्य ज़मीनों को चकोते पर चढ़ाया जायेगा, जहाँ ज़मीन कृषि योग्य नहीं होगी उन ज़मीनों का इस्तेमाल पर्यावरण को बचाने के लिए वृक्ष लगाए जाने के लिए किया जायेगा।

पहली बार पंजाब का आबकारी राजस्व 6 महीनों में 4000 करोड़ के पार : चीमा

नई आबकारी नीति के स्वरूप पिछले साल की अपेक्षा 38 प्रतिशत का सेहतमंद वृद्धि

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कर मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने गुरूवार को बताया कि राज्य का आबकारी राजस्व पहली बार वित्तीय वर्ष के शुरुआती छह महीनों में 4000 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया है, जिससे राज्य को 4280 करोड़ रुपए का कुल आबकारी राजस्व एकत्रित हुआ है। गुरूवार को यहाँ पंजाब भवन में प्रैस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने खुलासा किया कि चालू वित्तिय वर्ष के दौरान आबकारी राजस्व में पिछले साल की इसी समय-सीमा के आंकड़ों की अपेक्षा 37.62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि साल 2021 और 2022 के दौरान 1 अप्रैल से 12 अक्तूबर तक आबकारी राजस्व वसूली क्रमवार 3110 करोड़ रुपए और 4280 करोड़ रुपए रही। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग इस बात के लिए बधाई के पात्र हैं कि उनकी सरकार ने इस अरसे के दौरान आबकारी राजस्व में 1170 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की है। शराब माफीए के साथ मिलीभुगत के कारण आबकारी नीति में अपेक्षित बदलाव न करने के लिए पहले की राज्य सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यदि बीते 15 सालों के दौरान हरेक साल आबकारी वसूली में केवल 7 प्रतिशत की वृद्धि से हिसाब लगाएं तो इन पार्टियों ने शराब माफीए को 22,500 करोड़ रुपए से अधिक का सरकारी खज़ाना लुटाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार के इरादे इसी बात से स्पष्ट हो जाते हैं कि इसकी तरफ से 9000 करोड़ रुपए का आबकारी कर एकत्र करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जब कि पिछली सरकार का लक्ष्य केवल 6200 करोड़ रुपए का था।

वित्त मंत्री ने कहा कि शराब माफिया की लॉबी केंद्र सरकार के द्वारा बार-बार इस पॉलिसी को तोडऩे के लिए हमारे अफ़सर साहिबान को तंग कर रही है। उन्होंने कहा पंजाब की ईमानदार सरकार मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व अधीन और दिल्ली के मुखमंत्री अरविन्द केजरीवाल की क्रांतिकारी सोच के अंतर्गत लोगों के कल्याण के लिए अपने अफसरों के साथ खड़ी है और केंद्र द्वारा अलग-अलग एजेंसियों के दबावी हथकंडों के आगे झुकेगी नहीं। उन्होंने कहा कि पंजाब की विरोधी पक्ष की पार्टियाँ भी इसी शराब माफीए के दबाव अधीन पंजाब सरकार की आबकारी नीति पर सवाल उठा रही हैं।

38 प्रतिशत की यह सेहतमंद वृद्धि नयी आबकारी नीति को समर्पित करते हुए स. चीमा ने कहा कि आबकारी नीति 2022-23 ने पंजाब में शराब के कारोबार में एक सराहनीय बदलाव की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि आबकारी नीति के मुख्य दोहरे उद्देश्य राजस्व को बढ़ाना और उपभोक्ताओं को किफ़ायती और मानक शराब मुहैया करना है। वित्त मंत्री ने कहा कि इस नीति के अंतर्गत नयी तकनीकों के द्वारा पड़ोसी राज्यों से शराब की तस्करी पर सख़्त निगरानी रखने की भी कोशिश की जा रही है।

पराली को आग न लगाकर वातावरण को प्रदूषित होने से बचाएं किसान : ब्रम शंकर जिंपा

पराली को आग न लगाने वाले 10 किसानों का किया सम्मान

• जालंधर ब्रीज.होशियारपुर

कैबिनेट मंत्री पंजाब ब्रम शंकर जिंपा ने किसानो को अपील करते हुए कहा कि वे धान की पराली को आग न लगाए ताकि वातावरण दूषित को दूषित होने से बचाया जा सके। वे आज पंजाब सरकार के कृषि विभाग की ओर से आत्मा स्कीम के अंतर्गत अलग-अलग कृषि तकनीकों के बारे में किसानों को नई तकनीके देने के उद्देश्य से स्थानीय कृषि भवन में जिला स्तरीय किसान प्रशिक्षण कैंप के दौरान संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ मेयर सुरिंदर कुमार, सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीन सैनी भी मौजूद थे।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पराली को जलाने से रोकने के लिए पंजाब सरकार की ओर से गांवों में नोडल अधिकारी व उनकी सहायता के लिए कोआर्डिनेटर अधिकारी लगाए गए हैं जो कि किसानों को फसलों के अवशेषों को आग लगाने से होने वाले बुरे प्रभावों के बारे में जागरुक कर रहे हैं और इस संबंधी किसानों को साहित्य, गांवों के धार्मिक स्थानों पर मुनियादी व गांवों के स्कूलों में जागरुकता रैलियों के माध्यम से प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि धान की फसल सरकार की ओर से खरीदने के सारे प्रबंध मुकम्मल कर लिए गए हैं व इस फसल की अदायगी समय पर की जाएगी। इस कैंप में उन्होंने जिले के अलग-अलग ब्लाकों के पराली को आग न लगाने वाले 10 किसानों को सम्मानित किया।

कैंप को संबोधित करते हुए मुख्य कृषि अधिकारी गुरदेव सिंह ने कृषि विभाग की गतिविधियों के बारे में प्रकाश डाला व किसानों को अपील कि वे फसलों के अवशेषों के योग्य प्रबंधन करने में कृषि व किसान कल्याण विभाग की ओर से मुहैया करवाई गई खेती मशीनों का पूरा लाभ उठाने व किसान भूमि परीक्षण के आधार पर प्राप्त किए भूमि स्वास्थ्य कार्ड अनुसार ही खादों का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि किसानों को इस वर्ष गेहूं का बीज 1000 रुपए प्रति क्विंटल सब्सिडी के हिसाब से मुहैया करवाया जाएगा। इस लिए किसान भाई 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक प्रार्थना पत्र संबंधित ब्लाक कार्यालय में जमा करवा सकते हैं।

कैंप को संबोधित करते हुए मुख्य कृषि अधिकारी ने कहा कि कृषि इनपुट की क्वालिटी किसानों तक पहुंचाने के लिए इन इनपुट्स के समय-समय पर विभाग की ओर से सैंपल भरे जाते हैं।

बठिंडा और अबोहर में प्रमुख जायदादों की ई-नीलामी 20 अक्तूबर से

जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

बठिंडा विकास अथॉरिटी (बी.डी.ए.) द्वारा 20 से 31 अक्तूबर, 2022 तक बठिंडा और अबोहर में स्थित प्रमुख शहरी जायदादों की ई-नीलामी की जायेगी। आवास निर्माण एवं शहरी विकास विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि बठिंडा विकास अथॉरिटी द्वारा 26 रिहायशी प्लॉटों, 24 एस.सी.ओ. साईटों, निरवाणा एस्टेट बठिंडा में 5.72 करोड़ रुपए की आरक्षित कीमत वाली एक स्कूल साइट और अर्बन एस्टेट, फेज-2 बठिंडा में 19.40 करोड़ रुपए की आरक्षित कीमत वाली एक मल्टीप्लेक्स साईट की ई-नीलामी की जायेगी। इन जायदादों का कब्ज़ा सफल बोलीदाताओं को बोली की कुल कीमत का 25 फ़ीसदी का भुगतान करने पर सौंपा जायेगा। बकाया राशि 9.5 फ़ीसदी सालाना ब्याज दर पर किस्तों में भुगतान करनी पड़ेगी।

स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22 : एलीमैंटरी स्कूल शेखूपुर को अरबन श्रेणी में पहला स्थान

पंजाब कें 28000 सरकारी और निजी स्कूलों से किया गया चयन

• जालंधर ब्रीज.कपूरथला

सरकारी सीनियर सकैंडरी स्कूल शेखूपुर ने अरबन श्रेणी में शानदार कार्यावाही करते हुए स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22 के तहत 98 फीसदी रैंकिंग के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। पंजाब सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न श्रेणियों के तहत किए गए सर्वेक्षणों में कुल 28,000 सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के स्कूलों ने भाग लिया, जिसमें जल प्रबंधन, हाथ धोने, कोविड-19 के दौरान बच्चों के लिए की गई व्यवस्था और संचालन रखरखाव के कार्यों के आधार पर स्कूलों की रेटिंग की गई। इस रेटिंग के तहत अरबन श्रेणी में सरकारी एलीमैंटरी स्कूल शेखूपुर, जिस में 300 से अधिक बच्चे पढ़ते हैं, ने शहरी क्षेत्र में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस संबंध में हाल ही में पंजाब के शिक्षा मंत्री से केंद्र प्रधान शिक्षक जयमल सिंह को राज्य स्तरीय पुरस्कार मिला है। डिप्टी कमिश्नर श्री विशेष सारंगल ने जिले के स्कूल की इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और छात्रों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि विद्यालय की यह उपलब्धि अन्य विद्यालयों के लिए प्रकाश की किरण है, जिससे उन्हें भी प्रेरणा लेकर कुछ बेहतर करना चाहिए। वर्णनयोग्य है कि पंजाब सरकार द्वारा स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22 के तहत पूरे पंजाब में स्कूलों की 5 प्रकार की रैंकिंग के तहत 26 स्कूलों को पुरस्कार दिए गए हैं। शहरी वर्ग में सरकारी एलीमैंटरी स्कूल शेखूपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, ग्रामीण सकैंडरी विद्यालयों की श्रेणी में सराकरी सीनियर सकैंडरी स्कूल भवानीपुर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रशासनिक सुधार मंत्री मीत हेयर द्वारा राजपुरा और पटियाला में सेवा केन्द्रों का जायज़ा

डिजिटल साईन सर्टीफिकेट मोबाइल फ़ोन पर मिले, लोगों ने किया धन्यवाद

• जालंधर ब्रीज.राजपुरा/पटियाला

प्रशासनिक सुधारों संबंधी विभाग के मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने आज राजपुरा और पटियाला के सेवा केन्द्रों का जायज़ा लेते हुए अपने काम-काज के लिए यहाँ आए लोगों के साथ बातचीत करके फीडबैक हासिल की। इस मौके पर मीत हेयर ने कहा कि भगवंत मान सरकार ने लोगों के लिए सुविधा की जगह दुविधा बन चुके सेवा केन्द्रों की कार्यप्रणाली में व्यापक सुधार करते हुए यहाँ प्रदान की जाने वाली सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए नयी पहलें की हैं। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों पर राज्य के सभी विभागीय सेवाओं का किया जा रहा डिज़ीटलाईजेशन के अंतर्गत सेवा केन्द्रों द्वारा भी 183 सेवाएं लोगों को फ़ोन पर मुहैया करवाने की शुरुआत के साथ एक ही काम के लिए सेवा केन्द्रों के कई-कई बार चक्कर लगने बंद होने के कारण लोगों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान का कहना है कि लोगों की सरकार, लोगों के द्वार हो, इसलिए वह ख़ुद सेवा केन्द्रों का निरंतर दौरा करके लोगों का फीडबैक ले रहे हैं।

गुरमीत सिंह मीत हेयर ने बताया कि भगवंत मान सरकार ने एक नवीन पहल करके विद्यार्थियों को अपने दाख़िलों के लिए ज़रुरी सर्टीफिकेटों के लिंक वाट्सऐप पर भेजने शुरू किये हैं, जिससे विद्यार्थियों का सेवा केन्द्रों में बार-बार चक्कर लगाने का झंझट ही खत्म कर दिया गया है।

उन्होंने आगे बताया कि भगवंत मान सरकार ने पहले पड़ाव अधीन 6 सेवाएं, लोगों के आय और संपत्ति, सर्टिफिकेट, ग्रामीण क्षेत्र सर्टिफिकेट, जन्म सर्टिफिकेट में नाम जोडऩा, जनरल जाति सर्टिफिकेट और सीनियर सिटिजन पहचान पत्र के लिए फॉर्म भरने के कारण होने वाली समय की बर्बादी वाली प्रणाली को ख़त्म कर केवल ऑन-लाईन फॉर्म भरने की नयी प्रणाली शुरू करके लोगों को बहुत बड़ी राहत दी है, जिससे पैसे और समय की बर्बादी बंद हुई है। मीत हेयर ने आगे कहा कि पिछले दो-चार दिनों के अंदर-अंदर 46 हज़ार से अधिक सर्टीफिकेट्स लोगों के फोनों पर मुहैया करवाए गए हैं, जिससे 90 लाख कागज भी एक साल में बचेगा और लोगों को बड़ा फ़ायदा पहुँचेगा। इसके बिना टोकन सिस्टम में भी व्यापक सुधार किया गया है।

पीएम मोदी का आदमपुर हवाई अड्डे पहुंचने पर राजेश बागा, राकेश राठौर और सुशील शर्मा ने किया स्वागत

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी अपने हिमाचल दौरे के तहत ऊना से तेज-रफ्तार रेलगाड़ी वंदेभारत को हरी झंडी देने के लिए आज दिल्ली से आदमपुर हवाई अड्डे पर पहुँचे, जहाँ वह कुछ देर रुके। प्रधानमंत्री मोदी के आदमपुर हवाई अड्डे के आगमन पर भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रदेश महासचिव राजेश बागा, राकेश राठौर व सुशील शर्मा द्वारा पंजाब भाजपा की ओर से स्वागत किया गया।

राजेश बागा ने प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी के साथ हुई मुलाकात संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने उनसे पंजाब के मौजूदा राजनीतिक हालातों पर चर्चा की तथा जानकारी हासिल की। राजेश बागा ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी जी को पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद से पंजाब की बदतर हो चुकी कानून-व्यवस्था, गैंगस्टर राज व केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही जन-कल्याणकारी योजनाओं में किए जा रहे भ्रष्टाचार व घपलों की जानकारी दी है।

पंजाब में आज सभी सरकारी व गैर-सरकारी संगठनों द्वारा उनके साथ हुए धोखे के चलते पंजाब सरकार के विरुद्ध धरने-प्रदर्शन किए जा रहे हैं। पंजाब की जनता को मुर्ख बना कर प्रदेश की सत्ता हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी द्वारा किस तरह प्रदेश की जनता पर जुल्म ढाए जा रहे हैं, इसकी सारी जानकारी प्रधानमंत्री मोदी को दी गई है।

विभाग द्वारा पेंशनों संबंधी सर्वे में 90,248 मृतक लाभार्थियों की हुई पहचान

जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब सरकार के सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा बुज़ुर्गों, विधवाओं, आश्रित बच्चों और दिव्यांगजनों की पेंशनों सम्बन्धी मेरे हुक्मों के अनुसार सर्वे किया गया है। उक्त प्रगटावा पंजाब के सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग के मंत्री डॉ. बलजीत कौर द्वारा किया गया। सर्वे सम्बन्धी कुछ अखबारों में छपी खबरों को बेबुनियाद करार देते हुए डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि 04 अगस्त, 2022 को उन्होंने विभाग के ज़िला अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी।

मीटिंग के दौरान उन्होंने समूह ज़िला अधिकारियों को हिदायत की थी कि बुढापा पेन्शन, विधवा और बिना आश्रय प्राप्त औरतों, आश्रित बच्चों और दिव्यांजनों के लिए वित्तीय सहायता स्कीम के मृत हो चुके लाभार्थियों की पहचान की जाये। यह सुनिश्चित बनाया जाये कि किसी भी मृतक लाभार्थी के खाते में पेन्शन न भेजी जाये। बुढापा पेन्शन और अन्य वित्तीय सहायता स्कीमों के मौजूदा लाभार्थियों का सर्वे किया जाये। यह सर्वे मुकम्मल होने के उपरांत ज़िला सामाजिक सुरक्षा अफसरों द्वारा 90248 मृतक लाभार्थियों की पहचान की गई है।

'मैं अब कुछ और करने जा रहा हूँ, मेरे करियर के 15 साल बेहतरीन रहे' : गांगुली

मुंबई. बीसीसीआई अध्यक्ष पद की रेस से सौरव गांगुली बाहर हो चुके हैं। बीसीसीआई अध्यक्ष पद के चुनाव में उन्होंने अपना नामांकन दाखिल नहीं किया है। भारत के पूर्व खिलाड़ी रोजर बिन्नी अब बीसीसीआई अध्यक्ष पद की रेस में सबसे आगे हैं। सौरव गांगुली के बीसीसीआई से बाहर होने को लेकर राजनीतिक बवाल भी हुआ। कुछ लोगों ने तो यह भी कह दिया कि भाजपा में शामिल नहीं होने की वजह से सौरव गांगुली को बीसीसीआई से बाहर होना पड़ा है। इन सब के बीच तमाम खबरों पर आज गांगुली ने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने साफ तौर पर कहा कि मैं 5 साल तक क्रिकेट एसोसिएशन बंगाल का अध्यक्ष रहा और 3 साल तक बीसीसीआई के अध्यक्ष रूप में मैंने काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यकाल समाप्त होने के बाद आपको जाना होता है। गांगुली ने साफ तौर पर कहा कि अब मैं कुछ नया करने जा रहा हूं। मेरे क्रिकेटिंग करियर के 15 साल सबसे बेहतरीन रहे। बताया जा रहा है कि बेंगलुरु के रहने वाले 67 वर्षीय बिन्नी बोर्ड के 36वें अध्यक्ष होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बेटे जय शाह लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए बीसीसीआई सचिव बने रहेंगे। राजीव शुक्ला बोर्ड के उपाध्यक्ष बने रहेंगे। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के छोटे भाई अरुण सिंह धूमल अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के चेयरमैन होंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमांता बिस्वा सरमा के करीबी देवजीत सैकिया नए संयुक्त सचिव होंगे। वह जयेश जॉर्ज की जगह लेंगे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.